भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1804

30.07.2025 को उत्तर देने के लिए

एआई और एमएल का उपयोग करके सर्वेक्षण

1804. डॉ. प्रदीप कुमार पाणिग्रहीः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

सरकार अधिक दक्ष नीतिगत प्रतिक्रियाओं के लिए पारंपरिक सर्वेक्षण संबंधी विलंब की स्थिति से आगे बढ़ते हुए, विविध डेटा स्रोतों को एकीकृत करके तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) / मशीन लर्निंग (एमएल) का लाभ उठाकर वास्तविक समय, उच्च आवृत्ति वाले आर्थिक संकेतकों संबंधी परिवर्तन को किस प्रकार गति देती है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय के राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण देश भर में बड़े पैमाने पर किए जाने वाले सर्वेक्षणों में सटीक, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले आँकड़े सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, विभिन्न सांख्यिकीय उत्पादों में सुदृढ़ और सुपरिभाषित तंत्रों का उपयोग किया जाता है, जिनमें बदलती आवश्यकताओं, फीडबैक और कार्यप्रणाली में प्रगति के आधार पर समय-समय पर सुधार किए जाते हैं ताकि उनकी प्रभाविकता को बढ़ाया जा सके।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में मौजूदा आईटी आधारित डेटा संग्रह तकनीकों का उन्नयन और समन्वय एक सतत प्रक्रिया है। डेटा संग्रह के चरण में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए सभी सर्वेक्षणों में प्राथमिक डेटा संग्रह हेतु, अंतर्निहित सत्यापन तंत्र के साथ, कंप्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (कैपी) अथवा वेब आधारित एप्लिकेशन का उपयोग करके डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर किया जा रहा है। इससे सर्वेक्षण डेटा को वास्तविक समय पर प्रस्तुत करने और सत्यापित करने में सुविधा होती है और इसके परिणामस्वरूप सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने में लगने वाले समय में भारी कमी आई है ।

इसके अतिरिक्त, जब भी कोई नया सर्वेक्षण शुरू किया जाता है, तो उचित उपयोग के लिए संभावित तरीकों और नई तकनीकों की खोज की जाती है। कैपेक्स और असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण जैसे उद्यम

सर्वेक्षणों में कृत्रिम बुद्धिमता/मशीन लर्निंग की कुछ विशेषताओं को शामिल किया गया है ताकि वास्तविक समय के आधार पर क्षेत्रीय कठिनाईयों का समाधान किया जा सके। कैपी को चल रहे सर्वेक्षणों के संबंध में एजाइल बनाया गया है, जैसे कि ए.एस.यू.एस.ई. 2025 मध्य सर्वेक्षण के कैपी. में निर्माण मॉड्यूल जोड़ा गया है, पी.एल.एफ.एस. में कुछ अतिरिक्त खंड शामिल किए गए हैं, आदि ताकि हितधारकों की निरंतर डेटा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

बारंबार सामाजिक-आर्थिक संकेतकों की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण: दूरसंचार और शिक्षा जैसे लघु अवधि के सर्वेक्षण भी शुरू किए गए हैं।

*****